१ किरन

कविता सारांश

यह कविता सूरज की पहली किरन और एक बच्ची के संवाद पर आधारित है। बच्ची सुबह की पहली किरन से कहती है कि वह इतनी जल्दी कैसे आ गई, जबकि वह अभी तक बिस्तर से नहीं उठ पाई। कल शाम तक वह किरन के साथ खेली थी, पर उसके जाने के बाद अकेली रह गई और उसे नींद भी देर से आई।

बच्ची की बात सुनकर किरन बताती है कि वह भी सोती नहीं है। जब बच्चे यहाँ सो जाते हैं तो वह दूसरी दुनिया में जाकर वहाँ के बच्चों को जगाती है। जब वहाँ शाम होती है तो वह वापस आकर यहाँ सुबह का उजाला फैलाती है।

मुख्य संदेश:

कविता से हमें पता चलता है कि सूर्य की किरन दिन और रात के बीच पुल का काम करती है। वह हर जगह प्रकाश और जीवन का संचार करती है और सबको जागने के लिए प्रेरित करती है।

शब्दार्थ

- **किरन** – सूरज की रौशनी की पतली धारा
- **बिस्तर** – सोने का स्थान, खाट , पलंग
- **अकेली** – एक मात्र , बिना साथी के
- **सुख** – आनंद , खुशी , प्रसन्नता
- **परी कथाएँ** – परियों से जुड़ी कहानियाँ
- **देर** – समय की अधिकता , समय का अधिक बीत जाना
- **दुनिया** – संसार, विश्व, जग
- **जगाना** – नींद से उठाना
- **शाम** – दिन का अंत
- **लौट** – वापस आना

www.onepointlearning.com

प्रश्न - अभ्यास

बातचीत के लिए

1. **आपको कैसे पता चलता है कि सुबह हो गई है?**

   उत्तर: सुबह होने का पता सूरज की रोशनी, पक्षियों की चहचहाहट और लोगों के काम पर जाने से चलता है।

2. **ऐसे कौन-कौन से कार्य हैं जो सूर्य के प्रकाश के बिना संभव नहीं हैं?**

   उत्तर: सूर्य के प्रकाश के बिना खेती, पढ़ाई, बिजली बनाना (सौर ऊर्जा), कपड़े सुखाना, पौधों का भोजन बनाना आदि काम संभव नहीं हैं।

3. **सुबह और शाम में से आपको कौन-सा समय अधिक अच्छा लगता है और क्यों?**

   उत्तर: मुझे सुबह का समय अच्छा लगता है क्योंकि उस समय ठंडी हवा चलती है, वातावरण शांत रहता है और पढ़ाई भी अच्छी होती है।

पाठ से

सही उत्तर पर सूरज का चित्र (✹) बनाएँ—

1. **किरन के अनुसार वह मुख्य रूप से कौन-सा काम करती है?**

   (क) सोते बच्चों को जगाना ✹ (ग) बच्चों के साथ खेलना ☐

   (ख) खेलते बच्चों को सुलाना ☐ (घ) परी कथाएँ पढ़ना-पढ़ाना ☐

2. **बालिका को बहुत देर तक नींद क्यों नहीं आई?**

   (क) क्योंकि वह देर रात तक खेल रही थी। ☐ (ग) क्योंकि उसे बहुत गर्मी लग रही थी। ☐

   (ख) क्योंकि वह पढ़ रही थी। ✹ (घ) क्योंकि वह घूमने गई थी। ☐

3. **जब किरन आई, उस समय बालिका क्या कर रही थी?**

   (क) वह सो रही थी। ✹ (ग) वह गीत गा रही थी। ☐

   (ख) वह खेल रही थी। ☐ (घ) वह पढ़ और लिख रही थी। ☐

सोचिए और लिखिए

1. **किरन ने दूसरी दुनिया में जाने की बात क्यों कही होगी?**

   उत्तर: किरन ने दूसरी दुनिया में जाने की बात इसलिए कही क्योंकि जब यहाँ दिन होता है तो दुनिया के दूसरे हिस्से में रात होती है। वह वहाँ जाकर बच्चों को जगाती है।

2. **"वहाँ शाम हो जाती है तो लौट यहाँ फिर आती हूँ"**

   उपर्युक्त पंक्तियों में 'वहाँ' और 'यहाँ' शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुए हैं?

www.onepointlearning.com

उत्तर: "वहाँ" शब्द उस जगह के लिए है जहाँ अभी रात होती है और "यहाँ" शब्द उस जगह के लिए है जहाँ सुबह होती है।

3. **प्रकृति हमें प्रकाश, फल, फूल, लकड़ी, वायु, पानी और बहुत कुछ देती है। हम प्रकृति के लिए क्या-क्या कर सकते हैं? सोचिए और अपनी लेखन-पुस्तिका में लिखिए।**

   उत्तर: हम प्रकृति के लिए पेड़-पौधे लगा सकते हैं, जल बचा सकते हैं, प्रदूषण नहीं फैला सकते, पक्षियों और जानवरों की रक्षा कर सकते हैं।

4. **कविता की किन पंक्तियों से पता चलता है कि किरन बालिका के साथ दिन भर रहती है? उन पंक्तियों को चुनकर लिखिए।**

   उत्तर: कविता की पंक्तियाँ –

   "कल तो तेरे साथ शाम तक खेल बहुत से खेली मैं।

   पर जब तू चल दी सोने को तो रह गई अकेली मैं।"

समझ और अनुभव

1. **"कहने लगी किरन यह सुनकर**

   मैं ही कब सो पाती हूँ ।

   तुम्हें सुलाकर एक दूसरी

   दुनिया में मैं जाती हूँ"

   किरन कितना परिश्रम करती है, यहाँ से वहाँ नियत समय पर प्रतिदिन आती-जाती है। आपको अपने आस-पास कौन-कौन परिश्रम करते दिखाई देते हैं?

   उत्तर: हमारे आस-पास परिश्रम करने वाले लोग – किसान, शिक्षक, डाकिया, सफाईकर्मी, पुलिसकर्मी, डॉक्टर, दुकानदार आदि। ये सभी दिन-रात मेहनत करते हैं।

   - माता-पिता: जो हमारे लिए घर और बाहर दोनों जगह बहुत मेहनत करते हैं।
   - किसान: जो हमारे लिए अनाज उगाते हैं।
   - शिक्षक: जो हमें ज्ञान देते हैं और हमारा भविष्य बनाते हैं।
   - सफाई कर्मचारी: जो हमारे आस-पास के वातावरण को साफ रखते हैं।
   - डाकिया, पुलिस और डॉक्टर: जो हमारी सेवा करते हैं।

2. **वे कौन-कौन से लोग हैं जो किरन की भाँति आपको जगाते हैं, आपके साथ खेलते हैं और प्रोत्साहित करते हैं? उनके लिए आप क्या-क्या करते हैं, यह भी लिखिए।**

   उत्तर: मुझे किरन की भाँति जगाने वाले मेरे माता-पिता हैं। वे मुझे समय पर उठाते हैं, पढ़ाई करने को कहते हैं और अच्छा काम करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

www.onepointlearning.com

मेरे शिक्षक-शिक्षिकाएँ भी मुझे पढ़ाई में आगे बढ़ने और अच्छे संस्कार सीखने के लिए प्रेरित करते हैं।

मेरे दोस्त मेरे साथ खेलते हैं और पढ़ाई में मदद भी करते हैं।

इन सबके लिए मैं—

- अपने माता-पिता की बातें मानता हूँ और उनकी मदद करता हूँ।
- अपने शिक्षकों का सम्मान करता हूँ और ध्यान से पढ़ाई करता हूँ।
- दोस्तों के साथ मिलकर खेलता हूँ और ज़रूरत पड़ने पर उनकी सहायता करता हूँ।

3. **आपके घर या प्रदेश में सूर्य अथवा चाँद से जुड़े किसी एक त्योहार का पता लगाइए और उसके बारे में लिखिए।**

उत्तर: हमारे प्रदेश में छठ पूजा (सूर्य से जुड़ा त्योहार) मनाया जाता है। इस दिन लोग उगते और डूबते सूरज को अर्घ्य देकर उनका आशीर्वाद लेते हैं।

अनुमान और कल्पना

1. **यदि किरन कभी न आए या न जाए तो क्या होगा?**

उत्तर: यदि किरन कभी न आए या न जाए तो धरती पर अंधेरा छा जाएगा। पौधे भोजन नहीं बना पाएँगे, मनुष्य और जानवर जी नहीं पाएँगे।

2. **यदि आपको किरन के साथ दूसरी दुनिया में जाने का अवसर मिले तो आप कहाँ जाना चाहेंगे और क्यों?**

उत्तर: यदि मुझे किरन के साथ दूसरी दुनिया में जाने का अवसर मिले तो मैं उस जगह जाना चाहूँगा जहाँ अभी रात हो, ताकि वहाँ भी सुबह की खूबसूरती देख सकूँ और नए दोस्तों से मिल सकूँ।

भाषा की बात

1. **"कल तो तेरे साथ शाम तक**

खेल बहुत से खेली मैं"

'शाम' के लिए हम संध्या, साँझ, सायं जैसे शब्दों का भी प्रयोग करते हैं। मिलते-जुलते या समान अर्थ वाले ऐसे शब्दों को समानार्थी शब्द कहते हैं।

- नभ — आकाश, अंबर, नभचर
- हवा — वायु, व्योम, पवन
- पेड़ — विशाल, वृक्ष, तरु
- फूल — कुसुम, सरिता, सुमन
- दुनिया — भूमि, संसार, विश्व

© NCERT not to be republished

उत्तर:

- **नभ** - आकाश, अंबर
- **पेड़** - वृक्ष, तरु
- **दुनिया** - संसार, विश्व
- **हवा** - वायु, पवन
- **फूल** - कुसुम, सुमन

2. **दिए गए रिक्त स्थानों की पूर्ति रेखांकित शब्दों के विपरीत अर्थ वाले शब्दों से कीजिए—**

(क) मैं <u>आज</u> यह परी-कथा पढ़ूँगा, तुम कल **पढ़ लेना।**

(ख) मैं जब तक खेलने के लिए <u>आई</u> तब तक हरिका चली गई **थी।**

(ग) वह सुबह **आया और <u>शाम</u> को गया।**

(घ) मेरे <u>जागने</u> और सोने **का समय निश्चित है।**

3. **"चिड़ियाँ गाती गीत चली**

हवा चली, खिल उठे पेड़ सबा"

इन पंक्तियों को सामान्य बातचीत के रूप में लिखा जाए तो ऐसे लिखेंगे—

"चिड़ियाँ गीत गाती हुई उड़ रही थीं, हवा चलने लगी, हवा के चलने से पेड़-पौधों की पत्तियाँ भी हिलने लगीं जैसे कि वे प्रसन्नता से झूम रही हों।"

आप भी सामान्य ढंग से कही गई बात को कविता का रूप दे सकते हैं। उदाहरण के लिए, इन पंक्तियों को पढ़िए—

"चंद्रमा चमक रहा है, तारे भी चमक रहे हैं, आकाश में प्रकाश ही प्रकाश हो गया है।"

आइए, इन पंक्तियों को कविता का रूप देने का प्रयास करते हैं—

"चंदा चमका तारे चमके

चमका सारा अंबर"

आप भी सामान्य रूप से कही गई किसी बात को कविता के रूप में लिखने का प्रयास कीजिए!

उत्तर:

- **सामान्य रूप से कही गई बात:**

  "सूरज निकल आया है, चारों ओर उजाला हो गया है, बच्चे स्कूल जा रहे हैं।"

- **कविता का रूप:**

  "सूरज निकला, उजाला छाया

  खुशियाँ लेकर दिन है आया

  बच्चे सब स्कूल को जाएँ

  हँसते-गाते गीत सुनाएँ।"

www.onepointlearning.com

आपकी बातचीत

कविता में बालिका, किरन से बात कर रही है। यदि आपको भी नीचे दिए गए विकल्पों में से किसी से बात करने का अवसर मिले तो आप किससे बात करना चाहेंगे? अपने चुने गए विकल्प के सामने सही का चिह्न (✔) लगाइए—

वृक्ष ◯	पानी ◯	चाँद ◯	पत्ता ◯
हवा ◯	मिट्टी ◯	तितली ◯	बादल ◯

- **अपने सहपाठियों के साथ चर्चा कीजिए कि आप इनसे क्या बातचीत करेंगे?**
- **अपने सहपाठियों की सहायता से इस बातचीत का अभिनय भी कीजिए।**

उत्तर: मैं इनसे क्या बात करना चाहूँगा/चाहूँगी?

4. **वृक्ष –** "तुम हमें फल-फूल, छाया और लकड़ी देते हो। तुम्हें बढ़ने के लिए सबसे ज़्यादा क्या चाहिए?"
5. **पानी –** "तुम्हारे बिना कोई जीव नहीं जी सकता। हम तुम्हें कैसे बचाएँ?"
6. **चाँद –** "तुम रात को इतनी सुंदर रौशनी क्यों बिखेरते हो? तुम्हारे पास जाकर कैसा लगेगा?"
7. **पत्ता –** "तुम हवा के साथ झूमते क्यों रहते हो? हरा-भरा रहने का राज़ क्या है?"
8. **हवा –** "तुम हमें ठंडक देती हो, पेड़ों को झुलाती हो। तुम हमेशा इतनी हल्की क्यों रहती हो?"
9. **मिट्टी –** "तुमसे ही पौधे और अनाज उगते हैं। तुम्हें उपजाऊ बनाए रखने के लिए हम क्या कर सकते हैं?"
10. **तितली –** "तुम्हारे पंख इतने रंग-बिरंगे क्यों होते हैं? फूलों के बीच उड़ते हुए तुम्हें कैसा लगता है?"
11. **बादल –** "तुम कभी बरसते हो और कभी क्यों नहीं बरसते? तुम्हारी सैर कहाँ-कहाँ होती है?"

इसे भी जानिए

हमारी धरती गेंद की तरह गोल है। वह अपनी धुरी पर घूमती हुई सूर्य की परिक्रमा करती रहती है। सूर्य निरंतर प्रकाशित रहता है। पृथ्वी का जो भाग सूर्य की ओर आ जाता है, वहाँ दिन हो जाता है। चित्र में यदि बत्ती को सूर्य मान लें और गोलक को पृथ्वी तो प्रकाश गोलक के जिस भाग पर पड़ रहा है, वहाँ दिन है और दूसरे अँधेरे भाग में रात है।

अधिक जानने के लिए आप निम्न वीडियो लिंक पर भी जा सकते हैं-

Free worksheets, NCERT Solutions, Learning material & more at www.onepointlearning.com

https://www.youtube.com/watch?v=NoCXddI2sg8&t=1s

स्रोत - वीडियो - रात और दिन, एन.सी.ई.आर.टी. ऑफिसियल यूट्यूब चैनल

उत्तर: विद्यार्थी वीडियो देखकर स्वयं समझें और अपने शब्दों में बताने का प्रयास करें।

पुस्तकालय एवं अन्य स्रोत

आपको ज्ञात ही होगा कि सुनीता विलियम्स भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री हैं। शिक्षकों एवं अभिभावकों की सहायता से आप सुनीता विलियम्स के बारे में पुस्तकालय एवं अन्य स्रोतों से जानकारी एकत्रित कीजिए।

उत्तर: विद्यार्थी अपने विद्यालय के पुस्तकालय, पत्र-पत्रिकाओं, इंटरनेट या अभिभावकों से बातचीत करके सुनीता विलियम्स के बारे में जानकारी एकत्र करेंगे। एकत्रित जानकारी में निम्न बिंदु शामिल हो सकते हैं –

सुनीता विलियम्स

- भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री
- जन्म: 19 सितम्बर 1965, अमेरिका
- अमेरिकी नौसेना में पायलट रहीं
- बाद में नासा की अंतरिक्ष यात्री बनीं
- अंतरिक्ष में सबसे अधिक समय बिताने वाली महिलाओं में से एक
- कई बार अंतरिक्ष में चहलकदमी (स्पेसवॉक) की
- कुत्तों से प्यार और दौड़ने की शौक़ीन
- अपने मिशन में भारत का झंडा और भगवद्गीता साथ ले गईं

www.onepointlearning.com